पाठ 14. हमारे सहयोगी मित्र

पाठ का परिचय

पक्षी सभी को प्यारे लगते हैं। इनकी प्यारी आदतें सभी को अच्छी लगती हैं। इनके बिना दुनिया कितनी फीकी होती। पक्षियों के पर तरह-तरह के रंगों और नमूनों के होते हैं। इनकी रंग-योजना इन्हें अपने दुश्मनों से बचाने के लिए ही होती है। कीड़े-मकोड़ों का नाश करके पक्षी हमारी बहुत सहायता करते हैं। फ़सल व पेड़ों को कीड़ों से बचाने का काम भी ये ही करते हैं। ये मनुष्यों के कुछ घातक रोगों की भी रोकथाम करते हैं क्योंकि ये ऐसे जानवरों या कीड़ों को खा जाते हैं जिनमें रोगाणु पाए जाते हैं। लेकिन मनुष्य इन्हीं पक्षियों को बड़े शौक से खाते हैं। इन नन्हे परदार जंतुओं के प्रति हम कितने क्रूर हैं जबकि ये हमें कोई नुकसान नहीं पहुँचाते, उलटे हमारा भला ही करते हैं।

पाठ में निहित जीवन-मूल्य

प्रकृति हमारे लिए सबसे अधिक प्रेरणादायी है। पक्षी हमारे संरक्षक हैं। हमें इन पक्षियों का ध्यान रखना चाहिए। हमें उनके प्रति क्रूर नहीं होना चाहिए।

पाठ का वाचन

पहले अध्यापक/अध्यापिका पाठ का आदर्श वाचन करें। कठिन शब्दों के अर्थ बताएँ। उसके बाद बच्चों को एक-एक अनुच्छेद पढ़ने को कहें। आवश्यक पंक्तियों का आशय स्पष्ट करें। उच्चारण पर ध्यान दें। परिच्छेद से संबंधित प्रश्न पूछें। किसी कठिन शब्द का अर्थ बताते हुए बच्चों से मौखिक रूप में वाक्य बनवाएँ।

महत्वपूर्ण चर्चा

निम्नलिखित प्रश्नों पर आधारित चर्चा करें –

- पक्षी तुम्हें क्यों प्यारे लगते हैं?
- पक्षियों को हमें पालना चाहिए या नहीं?
- पक्षियों को हमें खाना चाहिए या नहीं?
- पक्षी प्रकृति के रख-रखाव के लिए महत्वपूर्ण क्यों हैं?